

---

# Achyutashtakam 1

अच्युतलष्टकम् १

## Document Information

---

Text title : achyutAShTakaM 1

File name : achyuta8.itx

Category : aShTaka, vishhnu, krishna, shankarAchArya, vishnu

Location : doc\_vishhnu

Author : Shankaracharya

Transliterated by : Girish Beehary

Proofread by : Girish Beehary, NA

Latest update : Mar 29, 2019

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 3, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Achyutashtakam 1

---

### अच्युताष्टकम् १

---



अच्युतं केशवं रामनारायणं कृष्णदामोदरं वासुदेवं हरिम् ।  
श्रीधरं माधवं गोपिकावल्लभं जनकीनायकं रामचन्द्रं भजे ॥ १ ॥

अच्युतं केशवं सत्यभामाधवं माधवं श्रीधरं राधिकाराधितम् ।  
छन्दिरामन्दिरं येतसा सुन्दरं देवकीनन्दनं नन्दनं सन्दधे ॥ २ ॥

विष्णवे जिष्णवे शङ्गिने चङ्गिणे रुडिमिषिराङ्गिणे जनकीजनये ।  
वल्लवीवल्लभायाऽर्चितायात्मने कंसविध्वंसिने वंशिने ते नमः ॥ ३ ॥

कृष्ण गोविन्दे उ राम नारायण श्रीपते वासुदेवाजित श्रीनिधे ।  
अच्युतानन्त उ माधवाधोक्षज द्वारकानायक द्रौपदीरक्षक ॥ ४ ॥

राक्षसक्षोभितः सीतया शोभितो दण्डकारण्यभूपुण्यताकारणः ।  
लक्ष्मणेनान्वितो वानरैः सेवितोऽगस्त्यसम्पूजितो राघवः पातु माम् ॥ ५ ॥

धेनुकारिण्डकोऽनिष्टकृद्वेषिणां केशिडा कंसदुर्द्वेशिकावाढकः । var द्वेषिडा  
पूतनाकोपकः सूरजाभेलनो बालगोपालकः पातु माम् सर्वदा ॥ ६ ॥

विद्युद्युतोत्पत्स्फुरद्वाससं प्रावृडम्भोदवत्प्रोल्लसद्भिन्नम् । var विद्युद्युतोत्पान्  
वन्यया मालया शोभितोरःस्थलं लोडिताङ्घ्रिद्रयं वारिजाक्षं भजे ॥ ७ ॥

कुञ्चितैः कुन्तलैर्भाजमानाननं रत्नमौलिं लसत्सुन्दरं गण्डयोः ।  
दारकेयूरकं कङ्कणप्रोज्ज्वलं किङ्किणीमञ्जुलं श्यामलं तं भजे ॥ ८ ॥

अच्युतस्याष्टकं यः पठेद्विष्टं प्रेमतः प्रत्यहं पूरुषः सस्युतम् ।  
वृत्ततः सुन्दरं कर्तुं विद्मन्मरस्तस्य वश्यो हरिर्जायते सत्वरम् ॥ ९ ॥

॥ इति श्रीशङ्कराचार्यविरचितमच्युताष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Girish Beehary

---



*Achyutashtakam 1*

pdf was typeset on November 3, 2020



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

